Translation Exercises

Let's practice a few translation exercises; Hindi to English & English to Hindi.
The more you practice, the better you become.
The more you face problems, the more you strive to find solutions.
The more you understand a concept, the nearer you reach to your aim.
The more you try to speak, the more you command a language.
"Practice & Practice & Practice, keep doing it. Success is for sure.

English to Hindi Translation Exercises

1.

This is the story of a boy who had to put down his first love 'Guitar' and get into father's business. But all of a sudden, something as such happened which changed his life and made him pick the gun. Earlier, he was absolutely carefree and now he was worried for his family. He had lost a lot in his life. His father was brutally killed. His Mother was shot 10 bullets to dead. Left were only his two sisters and one brother. He picked the gun in revenge but he had to also ensure that if he was caught, what would happen with his siblings. Hence, whatever he did, he would be cautious. He himself punished all the culprits. Nobody could ever know who killed them. There was a doubt but no evidence.

ये एक ऐसे लड़के की कहानी है जिसे अपना पहला प्यार गिटार छोड़ना पड़ा और पापा के बिजनेस में लगना पड़ा। पर अचानक कुछ ऐसा हुआ जिसने उसकी जिन्दगी ही बदल दी और उसे बन्दूक उठाने पर मजबूर कर दिया। पहले उसे किसी की परवाह तक नहीं थी और अब वो अपने परिवार की चिन्ता करता था। उसने जीवन में बहुत कुछ खो दिया था। उसके पिता को बेरहमी से कत्ल कर दिया गया। उसकी माँ को 10 गोलियाँ मारी गयी। सिर्फ बची उसकी दो बहनें और एक भाई। बदले की भावना से उसने बन्दूक उठाई पर उसे ये भी देखना था कि अगर वो पकड़ा गया तो उसके भाई बहनों का क्या होगा। इसलिए वो जो करता, बड़े ध्यान से करता । उसने सभी गुनहगारों को खुद ही सजा दे दी। कोई कभी नहीं जान पाया कि उन लोगों का मारा किसने, शक था पर बिना किसी सबूत के।

2.

What is an Ambition? Ambition is a firm goal that we set for ourselves. It also changes with our experience. As time passes by and we experience lot many new things, which changes the way we take things, either something adds on to our goal or something eliminates. For example, a person wants to become a social worker and he is firm in his idea. Sudden in life, he encounters (goes through) a terrible phase and he realizes the importance of money, now he sets a target of having good money as well. Now, there are two types of people. Ones are those who change their viewpoint and entirely change their target and otherwise are those who just add money earning to their original idea of social welfare but not at the cost of their original goal. Hence, a goal is not static, but dynamic.

महत्वाकांक्षा क्या है ? महत्वाकांक्षा एक निश्चित लक्ष्य है, जो हम अपने लिए तय करते हैं। यह हमारे अनुभव के साथ–साथ बदलता भी रहता है। जैसे–जैसे समय बीतता है और हम कई नई चीजें अनुभव करते हैं, ये हमारे सोचने के तरीके में बदलाव लाता है, फिर या तो अपने लक्ष्य में हम कुछ और जोड़ देते हैं या कुछ घटा देते हैं। उदाहरण के लिए, माना एक व्यक्ति सोशल वर्कर (सामाजिक कार्यकर्ता) बनना चाहता है। अचानक जिन्दगी में वो एक बहुत बुरे दौर से गुज़रता है और पैसे की महत्ता को महसूस करता है। और अब पैसा कमाना भी अपना उद्धेश्य बना लेता है। दो तरह के लोग होते हैं। एक तो वो जो सोच ही बदल लेते हैं और पूरी तरह अपने लक्ष्य को बदल देते हैं। दूसरे वो जो अपने मूल उद्धेश्य यानि समाज कल्याण के साथ पैसे कमाने को भी अपने लक्ष्य में जोड़ देते हैं पर अपने मूल उद्धेश्य को छोड़ते नहीं। अतः लक्ष्य अचल(static) नहीं चल(dynamic) होता है।

3.

It was Sunday and I had to go for an interview. I got up at about 8, took a bath and got ready. I was a bit scared thinking about the interview. In fact, it was the first time when I was about to face an interview. My friends had told me a lot about how to face but it was obvious that I was scared. I left for the interview venue. When I reached there, I read a quote by Thomas Alva Edison on the board, written as "I will not say that I failed thousand times, rather I would say, I know thousand ways which can cause failure". This encouraged me and I realized that it didn't matter if I failed, rather I must be optimist for future. Thinking this, I reached at a specious hall; where already about 50 candidates were sitting. I looked here and there. I saw a receptionist sitting there. I went to her. She asked me for my resume. I provided the same. She had a glance on it and she advised me to have a seat. My name was called after a long wait. The moment I stepped in the interview room, I was straight away asked what I liked the first thing about the venue. I told the interviewer about Edison's quote. She got impressed. She asked me just a few more questions and asked me to wait outside. After a little while, a lady called my name and I was informed that I got through. It proved to be one of the best days of my life.

संडे था। मुझे इन्टरव्यू के लिए जाना था। मैं करीब 8 बजे उठा, नहाया और तैयार हो गया। मैं इन्टरव्यू के बारे में सोचकर डरा हुआ था। सच तो ये था कि ये पहली बार था जब मैं इन्टरव्यू देने वाला था। मेरे दोस्त ने मुझे इन्टरव्यू के बारे में काफी कुछ बाताया था पर ज़ाहिर सी बात थी कि मैं डरा हुआ था। मैं निकल पड़ा वहाँ के लिए जहाँ इन्टरव्यू होना था। जब मैं वहाँ पहुँचा, मैने थॉम्स अल्वा एडिसन की कही बात बोर्ड पर पढ़ी, लिखा था "मैं ये नहीं कहूँगा कि मैं हज़ार बार असफल हुआ, बल्कि मैं तो ये कहूँगा कि मैं ऐसे हज़ार तरीके जानता हूँ जिनसे आप सफल नहीं होंगे"। इसने मुझे हौंसला दिया और मैंने महसूस किया कि इस बात से फर्क नहीं पड़ता कि मैं असफल हो जाऊँ, बल्कि मुझे तो आशावादी होना चाहिए। ये सोचते हुए, मैं एक बड़े हॉल में पहुँचा, जहाँ करीब 50 लोग बैठे थे। मैंने इधर–उधर देखा। मैंने एक रिसैप्शनिस्ट को देखा, मैं उसके पास गया। उसने मुझसे मेरा रैज्यूमे मांगा, मैंने दिया। उसने मुझे एक नज़र देखा और मुझे बैठने की सलाह दी। काफी देर बाद मेरा नाम पुकारा गया। जैसे ही मैंने इन्टरव्यू रुम में कदम रखा, मुझे सीधे ये प्रश्न पूछा गया कि यहाँ सबसे पहली चीज़ मुझे क्या पसन्द आयी। मैंने इन्टरव्यू लेने वाले व्यक्ति को एडिसन की कही बात के बारे में बताया। वो प्रभावित हो गईं। उन्होंने मुझे कुछ और प्रश्न पूछे और बाहर इन्तजार करने को कहा। थोड़ी ही देर बाद, एक महिला ने मेरा नाम लिया और मुझे सूचित किया गया कि मैं सिलैक्ट हो गया। ये मेरी ज़िन्दगी के सबसे अच्छे दिनों में से एक साबित हुआ।

4. ***Colors of Life***

Life is called colorful with so many colors in it. Colors are nothing but the reference of several phases of life. Life is given names i.e. Struggling, Beautiful or any other adjective as such. It differs person to person and it all depends on how we take it. We are all born with some innate instincts, positive or negative which differs us in how we celebrate win and how we surpass a loss. Losing a race, by two people might be seen in two different ways. One might consider himself a weaker contender and promise to improvise further whereas the other one might blame his fortune. This exhibits two different behavior patterns of two individuals. However, the way we expect life, is not necessarily what it turns out to be. Hence, our perception about it changes with our experience. The more we experience, the more colors we discover.

जिन्दगी को कहा जाता है कि ये कई रंगो से भरी है। रंग कुछ और नहीं जीवन के कई पक्षों को दर्शाते है। जिन्दगी को कई विशेषणों से नवाज़ा जाता है जैसे मुश्किल भरी, खूबसूरत और ऐसे ही कई और विशेषण। ये इस बात पर निर्भर करता है कि अलग–अलग लोग इसे किस तरह समझते हैं। हम सभी का जन्म कुछ स्वाभाविक प्रवृत्तियों के साथ हुआ है। सकारात्मक या नकारात्मक जो हमारी सोच के हिसाब से है कि हम किस तरह अपनी जीत का जश्न मनाते हैं या अपनी हार का शोक। दो लोग एक रेस की हार को दो अलग–अलग तरीकों से ले सकते हैं। हो सकता है कि एक अपने आप को कमजोर समझकर अपने आप को बेहतर बनाने का प्रण ले तो दूसरा अपनी किस्मत को दोष दे। यह दो व्यक्तियों के व्यवहारिक नमूने को दर्शाता है। पर समझने की बात यह है कि जो हम उम्मीद करते हैं, ज़रूरी नहीं कि वही हो। इसलिए, हमारी सोच हमारे अनुभव के साथ बदलती है। जितने ज़्यादा हम अनुभव लेते हैं, जीवन के उतने ही रंगो से अवगत होते हैं।

5. *Criminals*

Criminals are those who commit crime for any reason at all. This is the actual definition that we expect from all of us and also we expect such people to be given the title 'criminals'. However, needless to say that this title is not in fact given to all, who commit crimes and neither, all the people, who are given this title are necessarily criminals. What we often hear is about hidden crimes, which are never unearthed; reasons are many. Sometimes it's because the victim is scared of future repercussions to himself/herself or to loved ones and sometimes it's because victim is completely unaware of the laws, which might give him/her justice. These crimes are huge in numbers. I believe, Education plays a vital role in minimizing crime rate. Our country will grow if we grow our hereabouts. A revolution doesn't demand many but one.

अपराधी वो होते हैं जो किसी भी कारणवश अपराध करते हैं। यही वो परिभाषा है जो हम सभी से उम्मीद करते हैं। और ये भी उम्मीद करते हैं कि ऐसे लोगों को अपराधी नाम दिया जाए। पर ये बताने की ज़रूरत नहीं कि यह नाम वास्तव में सभी अपराधियों को नहीं दिया जाता और यह भी ज़रुरी नहीं कि जिन्हें दिया जाता है वो अपराधी ही हों। हम अक्सर छिपे हुए अपराधों के बारे में सुनते हैं जो कभी उजागर ही नहीं हुए, कारण कई हैं, कभी–कभी ऐसा इसलिए होता है क्योंकि पीड़ित भविष्य के दुस्प्रभावों से डरता है जो उसके साथ या उसके अपनों के साथ हो सकते हैं या फिर कभी इसलिए कि वो कानून के बारे में जानता ही नहीं जो उसे न्याय दे सकते हैं। ये अपराध बहुत अधिक मात्रा में होते हैं। मैं समझता हूँ कि शिक्षा अपराध की दर कम करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है। हमारा देश आगे बढ़ेगा अगर हम अपने आस–पास की तरक्की करें। एक क्रान्ति के लिए कई नहीं, एक ही काफी है।

6. *Diwali*

Diwali is the most important festival of Hindus. This festival is celebrated with joy and happiness. It is a festival of light. The reason of celebrating this festival is that on this day, Lord Rama had come back to Ayodhya after 14 years of exile. On his arrival, people of Ayodhya lighted the whole city with Diyas. Since then, Hindus has been celebrating this festival. It is celebrated with fireworks and crackers. In this festival, distributing sweets has also become a trend. But there is something that we can't ignore that on this day, air pollution is on high due to the smoke of crackers.

दीवाली हिन्दुओं का सबसे प्रमुख त्योहार है। यह त्योहार हर्षोल्लास से मनाया जाता है । यह रोशनी का त्योहार है। इस त्योहार को मनाने का कारण यह है कि इस दिन भगवान राम 14 वर्षों के बनवास के बाद अयोध्या वापस आये थे। भगवान राम के इस आगमन पर, अयोध्या वासियों ने शहर को दीयों से जगमग कर दिया। तब से, हिन्दू इस त्योहार को मना रहे हैं। इसे पटाखों के साथ मनाया जाता है। इस त्योहार में मिठाई बाँटना भी एक प्रचलन सा बन गया है। पर एक बात है जिसे हम झुठला नहीं सकते कि इस दिन पटाखों के धुएँ के कारण वायु प्रदूषण अत्यधिक मात्रा में होता है।

7. *When I was a kid*

How cruel I feel I was when I was a kid. I used to kill small creatures like ants, fishes, birds etc without any regret. Every day was a new day of my sin. I would separate the nests off the tree, thinking that the bird would have to face trouble finding her children. Even if kids would die, I would feel no pain. I would make two ants fight and imagine how I would have experienced if I was of their size. I would kill birds with a special weapon called "Gulail". I remember an incidence when I rather ate toffees of the school fee than pay to Class Teacher and next day hid behind the tree. Having been seen, I jumped into a canal and put myself under water thinking they couldn't see me, just like a pigeon, closes eyes seeing cat believing that she is not being seen. It's something that makes me laugh now. Whatever it was, cute it was. It is true that childhood is like a dream that is to be broken some or the other day.

मैं महसूस करता हूँ कि मैं कितना क्रूर था, जब मैं एक बच्चा था। मैं छोटे प्राणियों जैसे चींटी, मछलियों, पक्षियों आदि को मार दिया करता है वो भी बिना किसी पछतावे के। हर दिन मेरे पाप का एक नया दिन था। मैं घोंसलों को पेड़ से अलग कर देता था, ये सोचकर कि चिड़ियाँ को अपने बच्चों को ढूंढने में दिक्कत झेलनी पड़ेगी। बच्चे चाहे मर जाए, मुझे दर्द महसूस भी नहीं होता था। मैं दो चींटियों को लड़ाता था और ये कल्पना करता था कि मुझे कैसा महसूस होता अगर मैं उनके जितने आकार का होता। मैं एक अनोखे हथियार गुलेल से पक्षियों को मार दिया करता था। मुझे एक घटना याद है जब मैंने क्लास टीचर को फीस देने के बजाए उस पैसे की टॉफी खा ली और अगले दिन पेड़ के पीछे छिप गया। और देखे जाने पर, मैं नहर में कूद गया और अपने आप को पानी में घुसा दिया, ये सोचकर कि वो मुझे देख नहीं पायेंगे बिल्कुल एक कबूतर की तरह जो बिल्ली को देखकर आँख बन्द कर लेता है और ये सोचता है कि उसे देखा नहीं जा रहा है। अब ये बात मुझे हँसा देती है। पर जो कुछ भी था ये, बहुत प्यारा था।
यह सच है कि बचपन एक सपने की तरह है जिसे एक न एक दिन टूटना ही है।

8.

Recent incidents have threatened Delhi. People are in a dilemma what to do. They are quite agitated due to increasing crimes against women. Its witness is people's protest at Jantar Mantar. But only protest is not our aim but we want our views to be reached to Government. In future, such incidents might happen with our loved ones to. Such shameful incidents defame our nation. If we really want to stop these, we will have to raise our voice.

हाल ही में हुई घटनाओं ने दिल्ली को दहला दिया है। लोग समझ नहीं पा रहे हैं कि वो करें तो क्या करें। महिलाओं के साथ हो रहे जुर्म के खिलाफ लोग काफी आक्रोश में हैं, जिसका सबूत है जन्तर मन्तर पर हो रहा लोगो का विद्रोह प्रदर्शन। पर विद्रोह करना ही हमारा उद्धेश्य नहीं है बल्कि हम सरकार तक अपनी बात पहुँचाना चाहते हैं। कल ऐसी घटनाएँ हमारे किसी अपने के साथ भी हो सकती हैं। इस तरह की शर्मनाक घटनाएँ हमारे देश को बदनाम करती हैं। अगर हम सही मायने में इन घटनाओं को रोकना चाहते हैं तो हमें आवाज़ उठानी होगी ।

9. ***Poverty***

Poverty is a malediction for our society. If you really want to realize what poverty is, then you must interact with people who live in slums. Talk to them, ask them about their lives, their past and then see how difficult their lives have been. I lived a middle class life and always got almost everything that I wanted, even though I had to ask my dad for many a time. I firmly believe that pain ideally is realized by the one who goes through, not by everybody. Indian Government has put in several efforts to improvise their lives, Huge is the number of NGOs, which claim to help the needy but implementation is not up to the mark and the major reasons of Government's failure is nothing but the corruption.

In fact, poverty and corruption go hand by hand. Both are mutually related to a great extent. If you are poor, you tend to do anything and everything that can get you some money and that's where corruption comes from. However, there are numerous examples, where even the rich are corrupt due to the greediness for having more money.

गरीबी हमारे समाज के लिए एक अभिशाप है, अगर वास्तव में गरीबी को महसूस करना चाहते हो, तो आपको उन लोगों से मिलना चाहिए जो गन्दी बस्ती में रहते हैं। उनसे बात करो, उन्हें पूछो उनके जीवन के बारे में, उनके बीते कल के बारे में और फिर देखो उनकी ज़िन्दगी कितनी मुश्किल रही है। मैंने एक मध्यम स्तर की ज़िन्दगी जी और लगभग वो हर चीज़ पायी जो मैने चाही, हालाँकि मुझे अपने पिता से कई बार कहना पड़ा। मैं ये विश्वास करता हूँ कि दर्द सही मायनों में वही महसूस करता है, जो उससे गुजरता है, हर कोई नहीं। भारत सरकार ने उनके जीवन सुधार हेतु कई प्रयास किये हैं, कई सारे गैर सरकारी संस्थान (NGO) हैं जो ज़रुरतमंदो की मदद करने का दावा करते हैं पर वास्तविकता कुछ और है और सरकार की असफलता का मुख्य कारण कुछ और नहीं बल्कि भ्रष्टाचार है।

वास्तव में, गरीबी और भ्रष्टाचार साथ–साथ चलते हैं। दोनों एक दूसरे से काफी हद तक जुड़े हुए हैं। अगर आप गरीब हो, तो पैसा प्राप्त करते हेतु आप कुछ भी करने को तत्पर रहते हो और यहीं से जन्म होता है भ्रष्टाचार का। पर फिर भी, कई ऐसे उदाहरण हैं जहाँ अमीर भी ज़्यादा पैसे के लालच में भ्रष्ट होते हैं।

10. ***Uncertainty of Life***

Life is full of uncertainty. It is difficult to say about future as what we think is not necessarily going to happen. But it doesn't mean that we leave putting efforts. We must improvise on every next day, as in we must make everyday count. Someone has said, whatever we expect, we often achieves lesser. If it is true why don't we aim at more than what we dream so that we might get what we want. No matter what fortune has for us, efforts mustn't remain below the mark.

जीवन अनिश्चितताओं से भरा है। कल के बारे में कह पाना मुश्किल है क्योंकि जो हम सोचते हैं वैसा ही हो, ज़रूरी नहीं है। पर इसका यह अर्थ भी नहीं कि हम प्रयास करना छोड़ दें। हमें हर दिन अपने आप को पहले से बेहतर बनाना चाहिए यानी हमें हर दिन को पूरी तरह जीना चाहिए। किसी ने कहा है कि जितना हमारे मन में है, हम अक्सर उससे कम ही पाते हैं। यदि ये सच है तो हम क्यों न उससे ज़्यादा को लक्ष्य बनायें ताकि हमें उतना ही मिल जाए, जितना हम चाहते हैं। भविष्य में चाहे जो हो, प्रयास कभी कम न रह जाएँ।